संक्षिप्त परिचय

स्वर्गीय जगन्नाथ पाठक – (राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित 2005)

1. प्राचार्य (सेवा निवृत्त) :

   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय (नई दिल्ली के अर्न्तगत), गंगानाथ झा परिसर, आज़ाद पार्क, इलाहाबाद।

2. जन्मतिथि एवं स्थान : 02 फरवरी 1934, सासाराम, बिहार

3. वर्तमान एवं स्थायी पता : 3/14 एम. आई. जी, आवास विकास कालोनी योजना–3, झूंसी, इलाहाबाद।

4. शैक्षणिक योग्यता :

   - शास्त्राचार्य – साहित्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रथम श्रेणी 1957
   - एम.ए – संस्कृत, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रथम श्रेणी 1965
   - एम.ए – हिन्दी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, द्वितीय श्रेणी 1964

   शोध–उपाधि :

   - पी–एच. डी – संस्कृत, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, 1968

   शोध–विषय – धनपालकृत तिलकमंजरी का आलोचनात्मक अध्ययन

5. भाषा का ज्ञान :

   संस्कृत, हिन्दी, प्राकृत, अपभ्रंश, अंग्रेजी, बांग्ला, मैथिली, उर्दू, तथा आरम्भिक पर्सियन।

6. विशेष अध्ययन के क्षेत्र :

   अंलकार शास्त्र, संस्कृत साहित्य, हिन्दी साहित्य, उर्दू साहित्य, फ़ारसी साहित्य।

7. संस्कृत तथा हिन्दी के कुछ विद्वान्, जिनके निकट अध्ययन किया :

jagannathpathak.info

- ब्रह्मलीन स्वामी महेश्वरानन्दजी सरस्वती (पूर्वाश्रम के सर्वतन्त्र स्वतन्त्रकवितार्किक पं0 महादेव शास्त्री)
- स्व0 आचार्य पं0 बलदेव उपाध्याय
- स्व0 प्रो0 वासुदेवशरण अग्रवाल
- स्व0 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- स्व0 प्रो0 सिद्धेश्वर भट्टाचार्य

8. शैक्षणिक तथा प्राशासनिक पदों पर सेवा कार्य का अनुभव :

- व्याख्याता (साहित्य) श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली तथा गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद (दस वर्षो से अधिक)
- प्रवाचक (साहित्य) गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद में लगभग पॉच वर्षो तक
- प्राचार्य, श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू (लगभग छः वर्षो तक) एवं गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद (लगभग ढ़ाई वर्षो तक)

9. संस्कृत में प्रकाशित मौलिक रचनाएं :

- कापिशायनी : आधुनिक भावधारा से प्रभावित मुक्तक संस्कृत पद्यों का संग्रह (गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 1980)
- मृद्वीका : पारसीक "मधुशाला" वाद से प्रभावित मुक्तक काव्य (गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 1983)
- पिपासा : संस्कृत गज़ल गीतियों का संग्रह (गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 1987)
- विच्छित्तिवातायनी : लगभग दो हजार मुक्तक आर्याओं का संग्रह (गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 1992)

jagannathpathak.info

- आर्यासहस्राराममम् : हजार संस्कृत आर्याओं का मुक्तक काव्य (गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 1995)
- विकीर्णपत्रलेखम् : लघुनाटिका, मंचित (गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 1995)
- जगन्नाथसुभाषितम् (भाग 1) : आर्या छन्द में लिखित मुक्तक काव्य (राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित 2011)
- जगन्नाथसुभाषितम् (भाग 2) : आर्या छन्द में लिखित मुक्तक काव्य (कीर्ति ट्रस्ट, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 2015)

10. हिन्दी में प्रकाशित मौलिक कथात्मक कृतियॉ :

- थेरी गीत गाथा : बौद्ध भिक्षुणियाओं के जीवन पर आधारित लघु कथाओं का संग्रह (कालिन्दी कावेरी प्रकाशन, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 1978)
- पत्रलेखा के पत्र : बाणभट्ट द्वारा कादम्बरी में उपेक्षित एक नारी पात्र, पत्रलेखा की व्यथाकथा पर आधारित एक पत्रात्मक उपन्यास (दास पब्लिशर्स, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 1981)

11.हिन्दी में संस्कृत ग्रन्थों के प्रकाशित अनुवाद तथा व्याख्यान :

- रसमञ्जरी (भानुदत्त द्वारा लिखित–विद्याविलास प्रेस, वाराणसी द्वारा प्रकाशित 1958)
- ऋग्वेदभाष्यभूमिका (सायण द्वारा लिखित– चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी द्वारा प्रकाशित 1960)
- कुट्टनीमतम् (दामोदर गुप्त द्वारा लिखित – मित्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 1961)
- हर्षचरित (बाणभट्ट द्वारा लिखित– चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी द्वारा प्रकाशित 1964)
- ध्वन्यालोक–लोचन (आनन्दवर्धन व अभिनवगुप्त द्वारा लिखित– चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी द्वारा प्रकाशित 1965)

12. "ग़ालिबकाव्यम्" उर्दू के महान शायर ग़ालिब के दीवान का संस्कृत पद्यानुवाद (दास पब्लिशर्स, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित– 2003)

13. फ़ारसी से हिन्दी में अनुवाद :

- दाराशिकोह की 'मज्म'उलबहरैन' (समुद्रसंगमः) का सम्पादन और हिन्दी अनुवाद (प्रकाशित– 2005)

jagannathpathak.info

- चिराग़े दैर (देवालयदीपम्) ग़ालिब द्वारा फ़ारसी में रचित बनारस वर्णन का संस्कृत पद्यानुवाद (अप्रकाशित)

14. प्राकृत ग्रन्थों के हिन्दी में अनुवाद तथा व्याख्यान (प्रकाशित) :

- गाथासप्तशती (हाल सातवाहन– चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी द्वारा प्रकाशित 1969)

15. आचार्य गोविन्दचन्द्र पाण्डे कृत निम्न ग्रन्थों का हिन्दी अनुवाद :

- सौन्दर्य दर्शन विमर्श: (राका प्रकाशन, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 2003)
- एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति (राका प्रकाशन, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 2003)
- भक्ति दर्शन विमर्श: (अप्रकाशित)

16. सम्पादित तथा प्रकाशित संस्कृत ग्रन्थ :

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित

- काव्यप्रकाश (तीन टीकाओं सहित) सह–सम्पादन, 1976
- जातकमाला (आर्यशूर) सह–सम्पादन, 1977
- जानराजचम्पू (कृष्णदत्त विरचित), 1979
- वाणीविलसितम् – कुछ आधुनिक संस्कृत कवियों की रचनाओं का संग्रह, 1978, 1981
- जहाँगीरविरुदावली (हरिदेव मिश्र), 1979
- शाहजहाँविरुदावली (रघुदेव मिश्र), 1979
- पद्यरचना: सुभाषित संग्रह, 1979
- दुर्मिलाशतकम् (त्रिलोकनाथ मिश्र), 1980

jagannathpathak.info

- रतिमन्मथनाटक (जगन्नाथ विरचित), 1983
- सुभाषितहारावली सुभाषित संग्रह, 1984
- श्रीगोवर्धनकाव्यम्
- शृंगारसरसी, इलाहाबाद संग्राहलय द्वारा प्रकाशित 1999

17.हिन्दी में प्रकाशित अन्य पुस्तकें :

- आलोचना (हिन्दी) मम्मटः काव्यप्रकाश तथा उसके रचयिता पर एक लघुकाय पुस्तिका (मोनोग्राफ), साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1992।
- बाणभट्ट का काव्य संसार – पेनमैन पब्लिशर्स, नई दिल्ली (प्रकाशित) 1999
- 'संस्कृत – वाङ्मय का बृहद् इतिहास सप्तम–खण्ड' – सम्पादन, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा प्रकाशित 2000
- बसन्तसेना से उमरावजान तक – साहित्य भण्डार, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित 2012

18.जयशंकर प्रसाद की दो कृतियों का संस्कृत पद्यानुवाद :

- कामायनी (अप्रकाशित)
- ऑसू (अप्रकाशित)

19. पालि से संस्कृत में रूपान्तरण :

- मिलिन्दप्रश्न (अंशतः प्रकाशित)

20. सम्पूर्ण शैक्षिक एव प्राशासनिक अनुभव : संस्कृत के क्षेत्र में, लगभग 40 वर्षो का

21. प्रधान सम्पादकत्व :

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद द्वारा अन्तरार्ष्ट्रिय ख्याति की शोध–पत्रिका।

jagannathpathak.info

22. सम्पादक :

- भोजपुरी–कोष हिन्दी संस्थान लखनऊ (कार्य बीच में स्थगित)
- संस्कृत वाङ्•गमय का वृहत् इतिहास– 'सप्तम–खण्ड' – सम्पादन, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा प्रकाशित 2000

23. पुरस्कार एवं सम्मान :

- *कापिशायनी* पर साहित्य अकादेमी (नई दिल्ली) का पुरस्कार 1981 और उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादेमी का संस्कृत साहित्य पुरस्कार 1980
- *मृद्वीका* पर के. के. बिडला फाउण्डेशन का वाचस्पति पुरस्कार 1992 और उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादेमी लखनऊ का संस्कृत साहित्य पुरस्कार 1983
- *पिपासा* पर उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादेमी का विशेष पुरस्कार 1987
- *विच्छित्तिवातायनी* पर उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादेमी, लखनऊ का संस्कृत साहित्य विविध पुरस्कार 1991 और राजस्थान संस्कृत अकादेमी (जयपुर) का अखिल भारतीय काव्य पुरस्कार 1995
- सम्मान, रॉची संस्कृत सम्मेलन द्वारा संस्कृतरत्नम् की सम्मानित उपाधि 1995
- *आर्यासहस्रारामम्* पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ का संस्कृत साहित्य पुरस्कार 1995
- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ का संस्कृत साहित्य विशिष्ट पुरस्कार 1998
- *शृंगारसरसी* पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ का संस्कृत साहित्य विविध पुरस्कार 1999
- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ से "ग़ालिबकाव्यम्" पर विशेष संस्कृत साहित्य पुरस्कार 2001
- हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा 'संस्कृत महामहोपाध्याय' की उपाधि, 2001
- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ का महर्षि वाल्मीकि पुरस्कार, 2003

jagannathpathak.info

- *"ग़ालिबकाव्यम्"* पर साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली का अनुवाद पुरस्कार, 2004
- पं0 हेरम्ब मिश्र स्मृति का 'शब्द शिखर' सम्मान, 2004
- आशादीप परिवार प्रीतम नगर इलाहाबाद की ओर से 'साहित्य शिखर' सम्मान, 2010
- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ का "विश्व–भारती" पुरस्कार 2016

24. अन्य उपलब्धियाँ :

- 'पूर्व सदस्य' संस्कृत के लिए पुरस्कार की समिति, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली तथा 'पूर्व सदस्य', परामर्शदात्री समिति, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली की ओर से 'शास्त्रचूडामणि' योजना के अर्न्तगत नियुक्त (अवधिपूर्ण)
- इलाहाबाद संग्रहालय (भारत सरकार) के संस्कृति विभाग द्वारा संचालित में 'फैलो' के रूप में कार्यरत (अवधिपूर्ण)
- कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में 'विजिटिंग प्रोफेसर' के रूप में कार्यरत (अवधिपूर्ण)
- 'दृग्भारती', इलाहाबाद के अध्यक्ष : इस संस्था से षाणमासिक पत्रिका 'दृक्' (समसामयिक संस्कृत साहित्य की समीक्षा पत्रिका) प्रकाशित होती है।
- प्राचार्य, श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू के पद पर रहते हुए राष्ट्रिय वैदिक सम्मेलन, जम्मू का सफल आयोजन
- प्राचार्य, गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद के पद पर रहते हुए स्वर्ण जयन्ती समारोह का सफल आयोजन
- विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग 25 शोध निबन्ध।
- अखिल भारतीय स्तर के संस्कृत कवि–सम्मेलनों के काव्य–पाठ।
- इलाहाबाद तथा जम्मू के आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा प्रसारित संस्कृत काव्य–पाठ वार्ताएं तथा नाटक
- हिन्दी में प्रकाशित मौलिक कथात्मक कृति 'पत्रलेखा के पत्र' का बॉग्ला अनुवाद प्रकाशित

jagannathpathak.info

- पी–ऐच.डी (विद्यावारिधि) उपाधि के लिए कई शोध छात्रों का मार्गदर्शन

✓ कुमारी अंजना माथुर का दिल्ली विश्वविद्यालय की एम.फिल – 1983 उपाधि के लिए कापिशायनी पर अध्ययन (लघु शोध निबन्ध) स्वीकृत।

✓ कुमारी अर्चना रावत को कवि 'जगन्नाथ पाठक : व्यक्तित्व और कृतित्व' सागर विश्वविद्यालय से पी–एच.डी की उपाधि प्राप्त, 1992 और जम्मू तथा बोधगया विश्वविद्यालयों में भी पी–एच.डी के लिए इन पर शोध – प्रबन्ध स्वीकृत हुए।

✓ लतिका देवी द्वारा प्रस्तुत पी–एच.डी का शोध–प्रबन्ध, अजमेर विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत।

✓ अनिल कुमार पाठक का जम्मू विश्वविद्यालय की एम.फिल उपाधि के लिए विच्छित्तिवातायनी पर अध्ययन स्वीकृत।

✓ अनिल कुमार पाठक द्वारा प्रस्तुत पी–एच.डी का शोध–प्रबन्ध, 'जगन्नाथ पाठक : व्यक्तित्व और कृतित्व' जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत।

jagannathpathak.info